अध्यक्ष महोदय : जब तक आप चीनी मिलों का जिक्र नहीं करेंगे, मेम्बर साहब नहीं बैठेंगे ।

श्री हाथी : मैं उसके बारे में खास तौर से नहीं जानता हूं ।

Shri Sonavane: How many breaches were committed, what are the names of those trade unions and what action has been taken against them?

Shri Hathi: About the breach of the Code of Discipline we have got a Division which deals with this and which tries to see whether the breach was on the part of the employers or was on the part of the Unions. In the Central sphere, if he wants the figures Unionwise, the number of cases requiring action. . . .

Mr. Speaker: If it is a long answer, it might be laid on the Table.

Shri Hathi: All right, Sir.

Shri A. P. Sharma: The hon. Minister has stated that the Railways have proposed certain changes. Is he in a position to tell us the exact nature of the changes that are proposed?

Shri Hathi: They are still in the proposal stage. But they have made certain suggestions so far as the grievance procedure is concerned, and they will I hope discuss that with the representatives of the Unions.

Raid by Nepali border patrol Police

\+

*527. **Shri Yallamanda Reddy:**
Shri K. N. Tiwary:
Shri Bibhuti Mishra:
Shri Raghunath Singh:
Shri Yogendra Jha:

Will the **Prime Minister** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that two persons were shot dead by a Nepalese border patrol police in village Jharokhar in the Ghorasahan police circle of the Champaran District in Bihar; and

(b) if so, action taken in this regard?

The Minister of State in the Ministry of External Affairs (Shrimati Lakshmi Menon): (a) Yes, Sir. On the night of June 28, 1962, five persons were sleeping in the room of a house belonging to one Shri Ram Lochan Chowdhury in the village of Jharokhar, Police Station Ghorasahan, District Champaran, Bihar. At about mid night five Nepali policemen entered the house, went into the room where these persons were sleeping and opened fire. They killed two persons and inflicted grievous injuries on a third. The remaining two persons managed to escape unhurt. No Indian national was killed or injured.

(b) A note of protest over this incident was handed over to the Royal Nepalese Embassy in New Delhi on July 11, 1962.

श्री क० ना० तिवारी : नेपाल और इंडियन बार्डर पर आये दिन ऐसी घटनायें घटती हैं, तो क्या वहां के लोगों को प्रोटेक्शन देने के लिये कोई खास इन्तजाम किया गया है ?

Shrimati Lakshmi Menon: It has already been pointed out in this House that adequate measures are taken for the protection of our border.

Shri Ansar Harvani: May I know if the Government are aware that often the Nepalese policemen enter Indian villages and kidnap the Nepalese Congressmen from there? If so, what action is being taken to protect those Nepalese Congressmen who have taken refuge in this country?

Shrimati Lakshmi Menon: Whenever any such incident takes place, according to the procedure laid down in the communique issued when His Majesty was here, we appoint a commission of inquiry to find out whether the thing has really happened. Three such inquiries have taken place and in everyone of them it was said that we have not given shelter to the

Nepalese Congressmen and have not allowed them to use our territory for any kind of political activity.

श्री क० ना० तिवारी : जो प्रोटेस्ट नेपाल गवर्नमेंट को दिया गया था उस पर क्या नेपाल गवर्नमेंट ने कोई जवाब दिया है ?, और इंडियन गवर्नमेंट ने मारे गये लोगों के लिये कोई कम्पेन्सेशन डिमान्ड किया है या नहीं ?

Shrimati Lakshmi Menon: If the hon. Member had listened to the answer he would have noticed that no Indian national was injured or killed. Regarding the protest, in the protest note we have pointed out that though the Government of India were satisfied about the facts of the incident, if the Government of Nepal so desire, a joint informal inquiry, as provided for by the communique issued after the visit of the King of Nepal, would be instituted for verification of facts. This committee was appointed and the facts were verified. Only on one point there was disagreement, that is, regarding the forces. They refused to accept the fact that the uniformed men who entered the building were part of the Nepalese armed forces. But later on they had to agree that these people were in uniform and might be men of the Nepalese armed forces.

Shri Bade: The question was on a point of clarification whether there was any reply from the Nepal Government. No answer has been given.

Shrimati Lakshmi Menon: I have pointed out that as a result of the protest and according to the communique, an enquiry committee was appointed and I have stated the result of the enquiry.

श्री रघुनाथ सिंह : मैं यह जानना चाहता हूं कि जो पांचों आदमी सो रहे थे क्या उन के बारे मे कोई जांच की गई थी कि उन का किसी राजनीतिक संस्था से सम्बन्ध था या नहीं, या उन का क्या दोष था जिस के कारण उन पर आक्रमण किया गया ?

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री तथा अणु शक्ति मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : जाहिर है कि वे नेपाली नागरिक थे । उन का कोई आपसी झगड़ा होगा ।

Shri Hem Barua: May I know if the attention of the Prime Minister has been drawn to a statement made by the spokesman of the Nepalese foreign office contradicting our Prime Minister's statement to the House that there is no intrusion from the Indian side and whether these incidents or repraisals are on account of the confusion that there is instrusion from this side?

Shrimati Lakshmi Menon: As far as this incident is concerned, it was alleged that one Majid, a Nepalese national, had fallen out with Bhagwat, another Nepalese national over the proceeds of a dacoity in village Inarwari Jeotahi and the reason for this attack was the differences between these two persons.

श्री भक्त दर्शन : श्रीमन्, मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या यह घटना अपने ढंग की पहली थी या इस से भी पहले कोई इस प्रकार की घटनायें हुई हैं, और क्या उन का ब्यौरा दिया जा सकता है ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : इस किस्म का घटना तो शायद यह पहली थी, लेकिन इस से मिलती जुलती एक आध और हुई है ।

श्री योगेन्द्र झा : नेपाल और भारतीय सीमाओं के पास दरभंगा और चम्पारन जिलों में इस तरह की घटनायें आम हो गई हैं । मैं समझता हूं कि नेपाल और भारत के सीमावर्ती गांवों ने जो नेपाली प्रवासी हैं उन लोगों की वजह से नेपाली पुलिस का प्रवेश हुआ है । मैं जानना चाहता हूं कि क्या सरकार उन लोगों की सुरक्षा के लिये कोई विशेष प्रबन्ध कर रही है या इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिये प्रवासी नेपालियों को सीमावर्ती गांवों से दूर हटाने के लिये कोई योजना बना रही है ?

अध्यक्ष महोदय : इस के जवाब की तो कोई जरूरत नहीं । जो घटना हमारे सामने है उसी पर प्रश्न हो सकता है । आप दूसरी घटनाओं का आम तौर पर जिक्र कर रहे हैं, वे हमारे सामने नहीं हैं ।

श्री विभूति मिश्र : अध्यक्ष महोदय, मैं एक प्रश्न पूछना चाहता था, मुझे नहीं बुलाया गया ?

अध्यक्ष महोदय : मैं ने तीन बार आप की तरफ देखा, लेकिन आप खड़े नहीं हुए ।

श्री विभूति मिश्र : मैं बराबर खड़ा हुआ, लेकिन आप की नजर दूसरी तरफ रहती है । जो हमारे दुश्मन हैं, उन की तरफ आप की नजर रहती हैं ।

अध्यक्ष महोदय : हाल में मैं ने श्री सोनावने से कहा था कि मैं डाक्टर से अपनी आंख का मुआइना कराऊंगा । उस दिन मैं ने करा लिया था । बहरहाल इस दफा मुझ से भूल हो गई तो अगली दफा सही ।

श्री यशपाल सिंह : प्वाइंट आफ आर्डर । दुश्मन का लफ्ज अनपार्लियामेंटरी है ।

श्री विभूति मिश्र : विरोधी सही ।

श्री यशपाल सिंह : हां, विरोधी कहिये ।

श्री हरि विष्णु कामत : यहां कोई किसी का दुश्मन नहीं है ।

प्रधान मंत्री की विदेश यात्रा

+

५२८. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :**
श्री रघुनाथ सिंह :
श्री बयार :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि आगामी शरद् ऋतु में वह विदेश यात्रा पर जा रहे हैं ; और

(ख) यदि हां, तो किन-किन देशों के निमंत्रण उन्होंने स्वीकार कर लिये हैं ?

बैदेशिक कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री दिनेश सिंह) : (क) जी हां ।

(ख) लंदन में होने वाले राष्ट्रमंडल प्रधान मंत्रि-सम्मेलन में शामिल होने के बाद भारत वापस आते हुए प्रधान मंत्री का घाना और नाइजीरिया जाने का इरादा है ।

(a) Yes.

(b) Prime Minister intends visiting Ghana and Nigeria on his way home after attending the Commonwealth Prime Ministers' Conference in London.]

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : क्या मैं यह जान सकता हूं कि ब्रिटेन के साझा बाजार में सम्मिलित होने से भारतीय निर्यात व्यापार को जो हानि पहुंची है, क्या राष्ट्र-मंडल प्रधान मंत्रियों के सम्मेलन में प्रधान मंत्री जी उस के सम्बन्ध में विशेष रूप से चर्चा करेंगे ?

प्रधान मंत्री तथा बैदेशिककार्य मंत्री तथा अणु शक्ति मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : इस सवाल से योरोपियन एकानमिक कम्यूनिटी का कोई सम्बन्ध नहीं है । दूसरी बात यह कि अभी तक ब्रिटेन उस संस्था में मिला नहीं है । इस लिये अभी तो कोई सवाल उठता नहीं । यह हो सकता है कि वर्ष, दो वर्ष या पांच वर्ष बाद यह उठ जाये । लेकिन माननीय सदस्य अखबार पढ़ते हैं और उन को मालूम होगा कि इसके बारे में कोशिश हो रही है और आइन्दा होगी ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : क्या मैं जान सकता हूं कि कश्मीर की समस्या जो दिन-प्रतिदिन एक भयंकर रूप धारण करती चली जा रही है और जैसा कि पाकिस्तान